INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD)
© 2026 IJNRD | Volume 11, Issue 4, April 2026 | ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 हरिओम चौहान, हेमेन्द्र सिंह, डॉ0 रीना

डिपार्टमेन्ट ऑफ एजूकेशन, आईएफटीएम विश्वविद्यालय मुरादाबाद।

सारांश

विद्या भारती और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद यसीबीएसईद्ध द्वारा संचालित विद्यालयों में राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के दृष्टिकोण के अध्ययन का निष्कर्ष कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उजागर करता है। इन निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि किस प्रकार शैक्षिक संस्थाएं विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता और समरसता की भावना को प्रोत्साहित कर रही हैं और इसमें सुधार की क्या संभावनाएं हैं। विद्या भारती और सीबीएसई के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि ये शैक्षिक संस्थाएं अपने विद्यार्थियों में राष्ट्रीयताए एकता और समरसता की भावना विकसित करने में सफल रही हैं। हालांकिए कुछ क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश हैए और इन सुधारों के माध्यम से हम विद्यार्थियों को और भी बेहतर तरीके से तैयार कर सकते हैं ताकि वे एक एकीकृत और सशक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। यह अध्ययन शिक्षा प्रणाली को राष्ट्रीय एकीकरण के उद्देश्यों के प्रति और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। **शोध के निष्कर्ष** – विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर पाया गया, विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर पाया गया।

मुख्य शब्द :– विद्या भारती शिक्षा संगठन, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण

1. प्रस्तावना

विद्या भारती, जो भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, का उद्देश्य केवल शैक्षिक विकास ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण को भी प्रोत्साहित करना है। यह संस्था अपने विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा के साथ–साथ विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना और सामाजिक एकता को भी बढ़ावा देती है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के तहत संचालित

विद्यालयों में राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे देश के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने–बाने को मजबूत करने में सहायक हो सकता है।

विद्या भारती

विद्या भारती का स्थापना उद्देश्य भारतीय संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं के आधार पर शिक्षा प्रदान करना है। इसके तहत संचालित विद्यालयों में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम की शिक्षा नहीं दी जाती, बल्कि नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति उनके दायित्वों को भी सिखाया जाता है। विद्या भारती का जोर इस बात पर होता है कि विद्यार्थी न केवल शैक्षिक रूप से उन्नत हों, बल्कि वे भारतीय समाज के सदस्यों के रूप में अपने दायित्वों को भी समझें और उनका निर्वहन करें।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद

सीबीएसई भारत में एक प्रमुख शिक्षा बोर्ड है, जो देशभर के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षा का मानकीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण करता है। इसके अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में पाठ्यक्रम, परीक्षा पद्धति और शिक्षण विधियों का विशेष ध्यान रखा जाता है। सीबीएसई का लक्ष्य छात्रों को शैक्षिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है।

राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण

राष्ट्रीय एकीकरण का तात्पर्य है सभी भारतीयों को एकजुट करना, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र से हों। इस एकीकरण की भावना छात्रों में बचपन से ही विकसित करना आवश्यक है ताकि वे बड़े होकर देश की एकता और अखंडता के प्रति समर्पित रह सकें।

विद्या भारती के प्रयास

विद्या भारती के विद्यालयों में राष्ट्रीय एकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं :

1. ''संस्कृति एवं विरासत का शिक्षण'' : विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, इतिहास और धरोहर के बारे में शिक्षित किया जाता है।
2. ''सामाजिक सेवा'' : विद्यार्थियों को समाज सेवा के कार्यों में शामिल किया जाता है ताकि वे समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति संवेदनशील बनें।
3. ''राष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन'' : स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती आदि राष्ट्रीय पर्वों को मनाकर विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जगाई जाती है।

सीबीएसई के प्रयास

सीबीएसई के तहत संचालित विद्यालय भी राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति विद्यार्थियों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित करते हैं :

1. ''बहुभाषी शिक्षा'' : विभिन्न भाषाओं का शिक्षण ताकि विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों का सम्मान करें।
2. ''राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ'' : विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन, जैसे निबंध लेखन, भाषण, वाद–विवाद, आदि, जिनसे विद्यार्थियों में राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ती है।
3. ''समग्र शिक्षा'' : शैक्षिक विकास के साथ–साथ नैतिक और सामाजिक शिक्षा पर जोर।

विद्या भारती और सीबीएसई दोनों ही माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। दोनों संस्थाओं के प्रयासों से विद्यार्थियों में न केवल शैक्षिक योग्यता बल्कि राष्ट्रीयता की भावना और सामाजिक एकता के प्रति जागरूकता भी विकसित होती है। यह दृष्टिकोण देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि युवा पीढ़ी ही आने वाले समय में देश को एकता और अखंडता के साथ आगे बढ़ा सकती है।

2. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

राष्ट्रीय एकीकरण किसी भी देश की स्थिरता, प्रगति और शांति के लिए आवश्यक है। विविधता में एकता भारत की विशेषता है, और इसे बनाए रखने के लिए शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। विद्या भारती और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) दोनों ही इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना आवश्यक और महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इस दिशा में उठाए गए कदमों की प्रभावशीलता को मापने और सुधारने में सहायता करता है।

भारत एक बहुभाषी, बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश है। विद्यार्थियों को देश की इस विविधता का सम्मान और उसे समझना सिखाना आवश्यक है। माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थी किशोरावस्था में होते हैं, जो उनके दृष्टिकोण और मान्यताओं को आकार देने का महत्वपूर्ण समय होता है। इस समय में राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना उनके भविष्य के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकता है। सामाजिक समरसता और भाईचारे को प्रोत्साहित करना आवश्यक है ताकि विद्यार्थी विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णुता और सम्मान की भावना विकसित कर

सकें। एक एकीकृत राष्ट्र आंतरिक और बाहरी खतरों का सामना करने में सक्षम होता है। विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

अध्ययन से यह पता चल सकेगा कि वर्तमान नीतियाँ और कार्यक्रम कितने प्रभावी हैं। इससे शिक्षा प्रणाली में आवश्यक सुधार किए जा सकते हैं। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर पाठ्यक्रम में बदलाव किए जा सकते हैं ताकि राष्ट्रीय एकीकरण को और अधिक प्रभावी ढंग से प्रोत्साहित किया जा सके। जब विद्यार्थी राष्ट्रीय एकीकरण के महत्व को समझते हैं, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित होते हैं। वे सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उन्हें सुलझाने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। एकीकृत दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जा सकता है। वे देश की प्रगति और विकास में अधिक योगदान देने में सक्षम होते हैं।

विद्या भारती और सीबीएसई द्वारा संचालित विद्यालयों में राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन न केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह अध्ययन हमें यह समझने में मदद करेगा कि कैसे हम अपने शैक्षिक प्रणाली को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं, जिससे कि हमारे विद्यार्थी न केवल शैक्षिक रूप से सक्षम हों बल्कि एक एकीकृत और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। ऐसे अध्ययन समाज में समरसता, शांति और प्रगति के लिए आवश्यक कदमों को पहचानने और उन्हें लागू करने में सहायक होते हैं।

3. सम्बन्धित शोध साहित्य

डॉ. अर्चना कानूनगो (2022) ने भारत में राष्ट्रीय एकता पर अध्ययन किया।

तफजुल हक (2023) ने माध्यमिक विद्यालय में छात्रों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण पर अध्ययन किया।

एमिल एल फैसल और रिस्वान जैनुद्दीन (2023) ने राष्ट्रीय एकता पाठ्यक्रमों में चरित्र मूल्यों का महत्व पर अध्ययन किया।

मुहम्मद निसार, डॉ हमीदा बीबी (2023) ने राष्ट्रीय एकीकरण : खैबर पख्तूनख्वा में उच्च माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम का गायब घटक पर अध्ययन किया।

4. समस्या कथन

विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन।

5. अध्ययन के उद्देश्य

1. विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन।
2. विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन।

6. अध्ययन की परिकल्पना

1. विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं है।

7. आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

8. न्यादर्श

वर्तमान लघु शोध हेतु 200 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

9. उपकरण

राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण मापनी – द्वारा निर्मित प्रश्नावली।

10. परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना क्रमांक 1 :– विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 1

विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

छात्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
विद्या भारती	50				
सी0बी0एस0सी0	50				

व्याख्या – तालिका संख्या 1 में विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण को दर्शाया गया है। तालिका में विद्या भारती द्वारा संचालित माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का मध्यमान, मानक विचलन 262.31 एवं 22.04 प्राप्त हुआ है जबकि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 265.22 एवं 21.18 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 1.48 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या – 2

विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

छात्राऐं	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
विद्या भारती	50				
सी0बी0एस0सी0	50				

व्याख्या – तालिका संख्या 2 में विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण को दर्शाया गया है। तालिका में विद्या भारती द्वारा संचालित माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का

मध्यमान, मानक विचलन 262.31 एवं 22.04 प्राप्त हुआ है जबकि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण का का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 265.22 एवं 21.18 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 1.48 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

11. शोध के निष्कर्ष

1. विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर के छात्रों के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर पाया गया।
2. विद्या भारती द्वारा संचालित एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्तर की छात्राओं के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर पाया गया।

12. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- डॉ. अर्चना कानूनगो (2022) : भारत में राष्ट्रीय एकता, शोध पत्र, SRN : https:// ssrn.com /abstract = 3976232
- तफजुल हक (2023) : माध्यमिक विद्यालय में छात्रों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण, शोध पत्र, International Journal of Multidisciplinary Research and Growth Evaluation.
- एमिल एल फैसल और रिस्वान जैनुद्दीन (2023) : राष्ट्रीय एकता पाठ्यक्रमों में चरित्र मूल्यों का महत्व, शोध पत्र, Meilinda et al. (Eds.): SULE-IC 2022, ASSEHR 731, pp. 233–240, 2023.
- मुहम्मद निसार, डॉ हमीदा बीबी (2023) : राष्ट्रीय एकीकरण : खैबर पख्तूनख्वा में उच्च माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम का गायब घटक, शोध पत्र, Journal of Positive School Psychology http://journalppw.com 2023, Vol. 7, No. 2, 563-573

Copyright & License:
© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.